

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 98

03 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन

98. श्री राम मोहन नायडु किंजरापु:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने इस्पात के लागत प्रभावी उत्पादन हेतु अनुसंधान में वृद्धि करने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) सरकार द्वारा इस्पात के पर्यावरण हितैषी उत्पादन हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;
- (घ) क्या सरकार का इस्पात प्रौद्योगिकी की शिक्षा और विकास हेतु शिक्षण संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (ग): इस्पात उद्योग एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। समय के साथ-साथ भारतीय इस्पात उद्योग ने उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों तथा अनुसंधान को अपनाकर इस्पात के किफायती तथा पर्यावरण अनुकूल उत्पादन को शुरू कर दिया है।

भारतीय इस्पात उद्योग प्रौद्योगिकीय उन्नयन/आधुनिकीकरण/विस्तार के माध्यम से संयंत्रों में ऊर्जा दक्ष एवं पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर ऊर्जा एवं पर्यावरण संबंधी चुनौतियों का समाधान कर रहा है। भारतीय इस्पात उद्योग द्वारा किए गए इन उपायों से ऊर्जा दक्षता में सुधार तथा ग्रीन हाऊस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन में कमी भी हुई है।

एक ओर जहाँ इस्पात कंपनियाँ स्वयं इन मामलों का समाधान कर रही हैं, वहीं इस्पात मंत्रालय ने विभिन्न उपायों के माध्यम से इस्पात संयंत्रों की ऊर्जा तथा पर्यावरण के परिदृश्य में सुधार के लिए सुविधा प्रदान की है। इस्पात मंत्रालय लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए उद्योग, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं तथा अकादमिक क्षेत्र को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है। इस्पात मंत्रालय ने जापान सरकार के सहयोग से एकीकृत इस्पात संयंत्रों में अपशिष्ट ताप के दोहन तथा कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने के लिए प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु भी सुविधा प्रदान की है। इस्पात मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से छोटे इस्पात संयंत्रों में ऊर्जा दक्षता को बढ़ाने तथा कार्बन फुटप्रिंट में कमी करने के लिए प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु भी सुविधा प्रदान की है।

(घ) और (ङ): इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन दो प्रशिक्षण संस्थान हैं, यथा बीजू पटनायक नेशनल स्टील इंस्टिट्यूट (बीपीएनएसआई), पुरी, ओडिशा तथा नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेकेंडरी स्टील टेक्नोलॉजी (एनआईएसएस्टी), मंडी गोविंदगढ़, पंजाब। ये संस्थान इस्पात प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अल्प अवधि प्रशिक्षण, कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोजन करते हैं।
